



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

द. 166] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 15, 1991/फल्गुन 24, 1912

No. 166] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 15, 1991/PHALGUNA 24, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

लोक सभा सचिवालय

प्रधिकार

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1991

का.आ. 186(६) —न्यायाधीश (जांच) प्रधिनियम, 1969 की धारा 3 की उपधारा (2) के  
प्रत्यंगीत लोक सभा प्रब्लेम ने निम्ननिवित तीन मदम्यों की एक समिति गठित की है जो उन कारणों  
के बारे में जांच करेगी जिनके आधार पर न्यायमूर्ति वी. रामास्वामी को हटाये जाने के लिये प्रारंभिक की गई  
है :—

(1) माननीय न्यायमूर्ति पी.बी. माथेन, भारत का उच्चतम न्यायालय,

(2) माननीय न्यायमूर्ति पी.डी. बेसाई,  
मुख्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति, मीर  
(3) माननीय न्यायमूर्ति प्रो. चिन्नपा रेड्डी,  
भारत के उच्चतम न्यायालय के भूतपूर्व न्यायाधीश।

[संख्या 70/1/सी अह/91]

के. सी. रस्तोगी, महासचिव

### LOK SABHA SECRETARIAT

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 15th March, 1991

S.O. 186 (E).—Under Sub-Section (2) of section 3 of the Judges (Inquiry) Act, 1968, the Speaker, Lok Sabha, has constituted, for the purpose of making an investigation into the grounds on which the removal of Justice V. Ramaswamy of the Supreme Court of India is prayed for, a Committee consisting of the following three members :—

- (1) Hon'ble Justice P. B. Sawant, Supreme Court of India.
- (2) Hon'ble Justice P. D. Desai, Chief Justice of the High Court at Bombay, and
- (3) Hon'ble Justice O. Chinnappa Reddy, Former Judge of the Supreme Court of India.

[No. 70/1/CI/91]

K. C. RASTOGI, Secretary-General